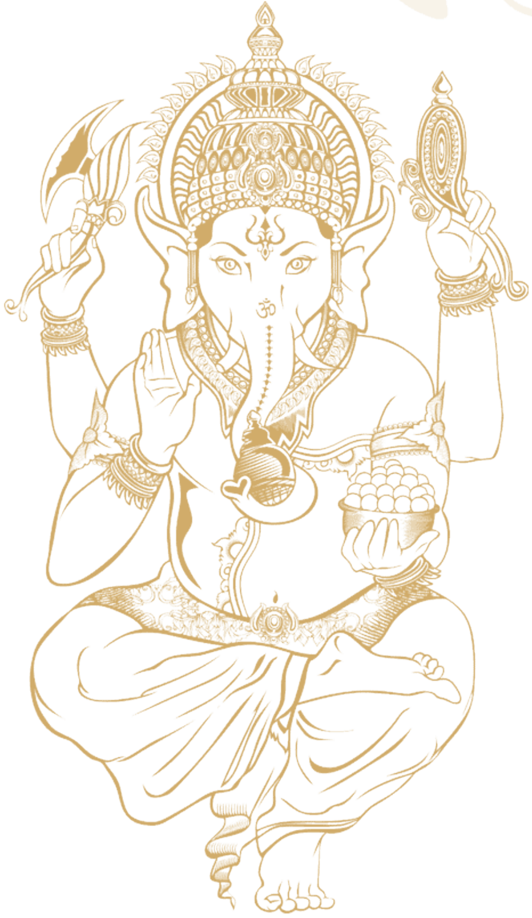

Agamjot Singh

07 May 2025

02:40 PM

Chandigarh

Model: Baby-Horoscope

Order No: 119528601

तिथि 07/05/2025 **समय** 14:40:00 **वार** बुधवार **स्थान** Chandigarh **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:12:41
अक्षांश 30:43:00 उत्तर **रेखांश** 76:47:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:52 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	05:19:00 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:03:26 घं	योनि	मूषक
सूर्योदय	05:34:05 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:05:13 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2082	वश्य	वनचर
शक संवत	1947	वर्ग	श्वान
मास	वैशाख	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	11	जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-रजत
योग	व्याघात	होरा	शनि
करण	वणिज	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
शुक्र 2वर्ष 8मा 18दि
शुक्र
07/05/2025
24/01/2028

	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	07/05/2025
बुध	24/11/2026
केतु	24/01/2028

योगिनी
उल्का 0वर्ष 9मा 23दि
उल्का
07/05/2025
01/03/2026

	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	07/05/2025
भद्रिका	01/03/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			26:54:42	सिंह	उ०फाल्गुनी	1	सूर्य	सूर्य	---	0:00			
सूर्य			22:51:18	मेष	भरणी	3	शुक्र	शनि	उच्च राशि	1.63	भ्रातृ	पितृ	जन्म
चंद्र			24:51:20	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	मित्र राशि	1.13	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल			14:22:14	कर्क	पुष्य	4	शनि	राहु	नीच राशि	1.21	मातृ	भ्रातृ	वध
बुध			00:41:23	मेष	अश्विनी	1	केतु	केतु	सम राशि	0.88	कलत्र	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु			28:27:33	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	शनि	शत्रु राशि	1.25	आत्मा	धन	क्षेम
शुक्र			09:56:13	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र	उच्च राशि	1.30	पुत्र	कलत्र	वध
शनि			04:15:54	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	1.33	ज्ञाति	आयु	वध
राहु			02:07:50	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु	सम राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु			02:07:50	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

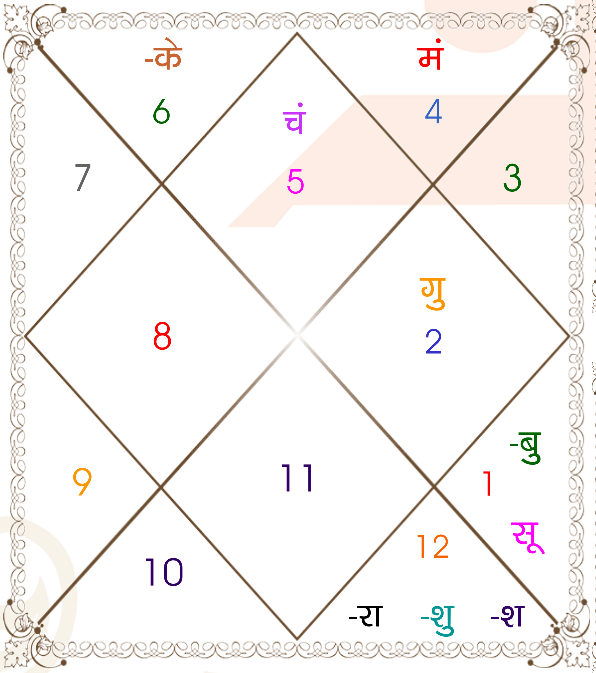

चन्द्र कुंडली

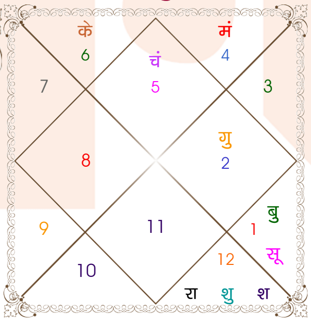

नवमांश कुंडली

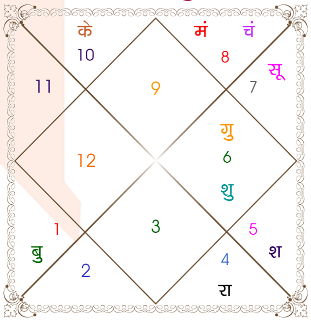

सर्वाष्टकवर्ग

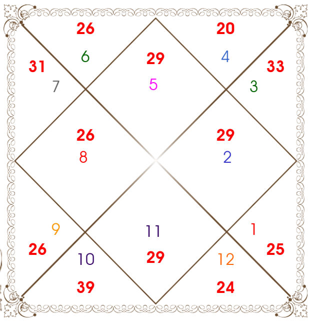

दशमांश कुंडली

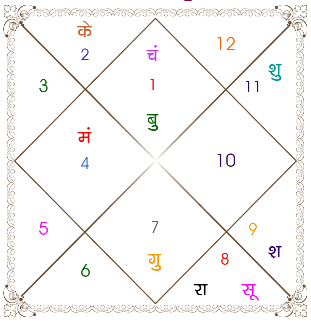

नक्षत्रफल

आप पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पैदा हुए हैं। अतः आपकी राशि सिंह तथा राशि स्वामी सूर्य होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ण क्षत्रिय, योनि मूषक, नाड़ी मध्य, वर्ग श्वान तथा गण मनुष्य रहेगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का आरम्भ "टु" या "टू" अक्षर से होगा।

आपको अपने जीवन में विद्यार्जन करने का सुअवसर प्राप्त होगा तथा आप इसमें सफल रहेंगे। आप स्वभाव से ही गम्भीरता से युक्त दौरान आपकी- समस्त कार्यकलापों पर इसकी स्पष्ट छाप रहेगी। स्त्री वर्ग से आपको विशेष प्यार मिलेगा तथा उनके आप प्रिय रहेंगे। साथ ही समस्त सुखों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे। आप विद्वानों के द्वारा पूज्य एवं सम्माननीय भी रहेंगे।

विद्या गोधन संयुक्तो गम्भीरः प्रमदाप्रियः।
पूर्वाफाल्गुनिकां जातः सुखी पंडित पूजितः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक विद्या, गौ एवं धन से सम्पन्न, गम्भीर प्रकृति वाला, स्त्रियों का प्रिय, सुखी तथा विद्वानों द्वारा पूजनीय होता है।

आप अपने भाषण में अत्यन्त ही मधुर एवं प्रियवाणी का उपयोग करेंगे फलतः सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यवहार में भी कुशल दौरान आपकी- व्यवहार से अन्यजन आपसे प्रभावित रहेंगे। आप दानशील भी होंगे तथा समयानुसार दीन दुःखियों की तन मन धन से सहायता करेंगे। आपका समस्त शरीर कान्ति से युक्त रहेगा तथा भ्रमण करने में आप विशेष रूचिशील रहेंगे। आप राजकीय सेवा में भी तत्पर रहेंगे।

प्रियवाग्दाता द्युतिमानटनो नृपसेवको भाग्ये।
बृहज्जातकम्

अर्थात पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक प्रिय वक्ता, व्यवहारज्ञ, दानप्रिय, कान्तियुक्त शरीर वाला, यात्रा प्रिय तथा राज्य में राजसेवक होता है।

स्वभाव से ही आपमें चंचलता का आधिक्य रहेगा तथा कभी कभी कठोरकर्मो की ओर भी आपकी प्रवृति जागृत होगी। त्याग की भावना भी नैसर्गिक रूप से आप में विद्यमान रहेगी तथा जीवन में इसका पालन भी आप करते रहेंगे। साथ ही दृढ़ता के सद्गुण से भी आप युक्त रहेंगे एवं अपने कार्यो को दृढ़ता से सम्पन्न करेंगे।

फल्गुन्यां चपलः कुकर्मस्त्यागी दृढ़ कामुको।
जातकपरिजातः

अर्थात् पूर्वा फाल्गुनी में उत्पन्न जातक चंचल, कुकर्म करने वाला, त्यागी, दृढ़ तथा कामवासना प्रधान व्यक्ति होता है।

आप वीरता के गुणों से सम्पन्न तथा साहसी व्यक्ति होंगे तथा जीवन की प्रत्येक समस्या का मुकाबला बहादुरी एवं साहस के साथ करेंगे फलतः आप में आत्मविश्वास की कभी भी न्यूनता नहीं रहेगी। आप अन्य बहुत से लोगों को सुख प्रदान करने वाले होंगे तथा इन लोगों का पालन पोषण भी आप ही करेंगे। अपने कार्यो को आप बहुत ही चतुराई के साथ सम्पन्न करेंगे। साथ ही कभी कभी आप छोटी छोटी बातो पर अभिमान का भी प्रदर्शन करेंगे।

शूरस्त्यागी साहसी भूरिभर्ता कामार्तोळपिस्याच्छिरालोळतिदक्षः।
धूर्तः क्रूरोळत्यन्त सत्रजातगर्वः पूर्वाफाल्गुनयास्ति चेज्जन्मकाले।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक शूरवीर, दानी, बहुतों का पोषक, चतुर, धूर्त, कामातुर, कठोर हृदय और अतिघमण्डी होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ हैं। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता हैं। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनो से भी हीन रहता हैं। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता अर्जित होती हैं। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्याधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती हैं। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित हैं। अतः आपके लिए यह स्वर्ण पाद विशेष अशुभ नहीं रहेगा। अपितु आपके लिए अधिकांश रूप से शुभ ही रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वरूप देखने में सुन्दर तथा आकर्षक रहेगा। आप उदार स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा सभी लोगों के प्रति आपके मन में दयाभाव रहेगा। जीवन में समस्त प्रकार के सुख तथा धन सम्पत्ति से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के ऐश्वर्य तथा वैभव से भी आप युक्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक बल से आप पूर्ण रूपेण सुसम्पन्न रहेंगे। आप निर्भयता पूर्वक अपना सांसारिक जीवन व्यतीत करेंगे तथा किसी भी प्रकार का भय आपके हृदय में नहीं रहेगा। आप में चतुराई तथा बुद्धिमता का भाव भी रहेगा एवं आपके अधिकांश सांसारिक कार्य इसी तरह से सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त आप विविध प्रकार के सद्गुणों से भी सुशोभित रहेंगे।

सिंह राशि में जन्म लेने के कारण आपका स्वभाव उग्र तथा तेजस्वी रहेगा। आपकी छोटी छोटी आखें पीतवर्ण से युक्त रहेंगी। आपकी ठोड़ी स्थूल तथा शरीर विशाल आकृति का होगा। वनों तथा पहाड़ों में घूमने की आपकी तीव्र इच्छा रहेगी। यदा कदा आप बिना किसी कारण के ही शीघ्र क्रोधित भी होंगे तथा इच्छाओं की भी आपमें प्रबलता रहेगी जो पूर्ण न होने पर आपके लिए मानसिक रूप से कष्टकारी होंगी। आप दान शीलता की प्रवृति से भी सुशोभित रहेंगे तथा यथा शक्ति दान देते रहेंगे इसके अतिरिक्त अभिमान का प्रदर्शन भी आपके द्वारा किया जाएगा। माता के आप अत्यन्त प्रिय होंगे तथा संतति में पुत्र संख्या अल्प रहेगी। आपकी

बुद्धि भी स्थिर रहेगी तथा धैर्यपूर्वक कार्य करना आपका स्वभाव रहेगा।

तीक्ष्णः स्थूलहनुविशालवदनः पिङ्गेक्षणोऽल्पात्मजः।
स्त्रीद्वेषी प्रियमासकाननगग कुप्यत्यकार्ये चिरम्।।
क्षुतृष्णोदरदन्तमानसरूजा सम्पीडितस्त्यागवान।
विक्रान्तः स्थिरधीः सुगर्वितमनामातुर्विधेयो योऽर्कभे।।
बृहज्जातकम्

आपके शरीर की हडि्डयां मजबूत होंगी। आपके उदर में जठराग्नि की प्रबलता रहेगी। अतः इससे आपको कष्ट रहेगा। किसी भी काम को शुरू करते समय आप अपने गले से कोई न कोई आवाज निश्चित रूप से निकालेंगे। साथ ही आपका वक्षप्रदेश भी सुन्दर एवं अन्य जनों को आकर्षित करने वाला होगा। आप पराक्रमी पुरूष होंगे तथा सभी लोग मन से आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आप चारों तरफ गम्भीराकृति से अवलोकन करने वाले होंगे अर्थात् प्रत्येक कार्य को पूर्ण रूप से सोचसमझकर सम्पन्न करेंगे।

स्थूलास्थिर्मन्दरोमा पृथुवदनगलो ह्रस्वपिङ्गाक्षियुग्मः।
स्त्रीद्वेषी क्षुत्पिपासा जठररूदरजपीडितो मांसभक्षः।।
दाताक्ष्णोऽल्पपुत्रो विपिननगरतिमातृवश्य सुवक्षा।
विक्रान्तः कार्यालापी शशभृतिरविभे सर्वगम्भीर दृष्टिः।।
सारावली

आपका मुखमंडल भी विशालाकृति से युक्त रहेगा। पर्वत तथा जंगलों में जाने के आप हमेशा इच्छुक रहेंगे तथा अपना समय इन स्थानों के भ्रमण में ही व्यतीत करेंगे तथा अभिमान का भी आप प्रदर्शन करेंगे।

पिङ्गेक्षणः स्थूलहनुर्विशालवक्त्रोऽभिमानी सपराक्रमः।
कुप्यत्कार्ये वनशैलगामी मातुर्विधेयः स्थिरधीः मृगेन्द्रेण।।
फलदीपिका

आप उदरपूर्ति योग्य धन कमाने से ही सन्तुष्ट होने वाले होंगे पर्वतों की गहन गुफाओं में भ्रमण के आप इच्छुक रहेंगे। साथ ही सेवक तथा बन्धुवर्ग से भी आप युक्त रहेंगे।

उदरभरणतुष्टः क्रोधनो मांसलुब्धो।
गहनगुरूगुहानां सेवको बंधुहीनः।।
कपिलनयन भग्नस्तुङ्गवक्षाः क्षुधार्तो।
विपुल सुरतसेवी सिंह राशि भे मनुष्यः।।
जातकदीपिका

क्षमाशीलता के स्वभाव से आप युक्त रहेंगे तथा आजीवन इस प्रवृति का पालन करेंगे। अपने कार्यों को सम्पन्न करने में आप हमेशा व्यस्त रहेंगे। आपका अधिकांश समय देश विदेश की यात्राओं में ही व्यतीत होगा तथा शीत से आपको अत्यन्त कष्ट होगा। आपके सभी

मित्र सद्गुणी एवं सुशिक्षित रहेंगे। समाज में आपका व्यवहार नम्रता से युक्त रहेगा। साथ ही माता पिता के आप हृदय से भी प्यारे होंगे। इसके अतिरिक्त आप कई व्यसनों को भी करने वाले होंगे परन्तु इसमे आपकी लोक प्रसिद्धि में कोई अन्तर नहीं आएगा तथा आप पूर्ण यशस्वी पुरूष रहेंगे।

अचल काननयानमनोरथं गृहकलित्रच गलोदरपीडनम्।
द्विजपतिमृर्गराजगतो नृणांवितनुते तनुतेजविहीनताम्।।
जातकाभरणम्

आपके नेत्र तथा शरीर की बनावट अत्यन्त ही चित्ताकर्षक रहेगी। साथ ही आप गम्भीर दृष्टि से भी युक्त रहेंगे।

सिंहस्थे पृथुलोचनः सुबदनो गम्भीरदृष्टिः सुखी।।
जातक परिजातः

मनुष्य गण में जन्म लेने के कारण आप ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति असीम श्रद्धा तथा पूजा का भाव रखने वाले पुरुष होंगे साथ ही आप अन्य कार्यो तथा कलाओं के विषय में भी जानकारी रखने वाले होंगे। आपकी बुद्धि अत्यन्त तीव्र होगी तथा समस्त कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। आपकी शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त आप अन्य जनों को सुख प्रदान करने वाले भी होंगे।

आप अपने समाज के सम्माननीय तथा धनवान व्यक्ति होंगे साथ ही आपके नेत्र भी बड़े बड़े होंगे तथा आप एक अच्छे निशाने बाज भी रहेंगे। आपका वर्ण गौरवर्ण रहेगा एवं नगरवासियों में आप अपना प्रभाव स्थापित करने में पूर्ण सफलता प्राप्त करेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

मूषक योनि में उत्पन्न होने के कारण आप अत्यन्त ही बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा सम्पूर्ण प्रकार से धनैश्वर्य एवं वैभव से सर्वदा सम्पन्न रहेंगे। इनका आपके जीवन में कभी भी अभाव नहीं रहेगा। साथ ही आप अपने कार्य को करने में हमेशा तत्पर रहेंगे तथा खाली बैठना या आलस्य का प्रदर्शन करना आपको रूचिकर नहीं लगेगा परन्तु आप अन्यजनों पर कभी भी विश्वास नहीं करेंगे। यदि कोई कार्य आप करवाना चाहें तो अपने सम्मुख ही उसे पूर्ण करवाएंगे।

बुद्धिमान् वित्तसम्पूर्णः स्वकार्यकरणोद्यतः।

अप्रमतोळप्यविश्वासी नरो मूषक योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मूषक योनि का जातक बुद्धिमान, धनवान, स्वकार्य में तत्पर, गर्वहीन तथा किसी पर भी विश्वास न करने वाला होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति लग्न में विद्यमान है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य आपके ग्रहों के शुभप्रभाव से अच्छा रहेगा एवं वे लम्बी आयु प्राप्त करेंगी। धन सम्पत्ति की भी उनको प्राप्ति होगी तथा इससे वे प्रायः युक्त ही रहेंगी। आपके प्रति उनका पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में सभी शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको यथोचित सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। आपके परस्पर अच्छे संबंध रहेंगे एवं आपसी मतभेदों की अल्पता रहेगी।

आप भी उनके प्रति हार्दिक सम्मान तथा आदर की भावना रखेंगे तथा उनकी आज्ञा पालन के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। इससे आप लोगों के आपसी विश्वास में वृद्धि होगी जो भविष्य में उन्नति दायक रहेगी। इस प्रकार आप भी जीवन में उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य नवम भाव में स्थित है अतः आप पिता के स्नेह पात्र होंगे। उनका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर शारीरिक रूप से वे व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। जीवन में धन सम्पत्ति से सर्वदा युक्त रहेंगे एवं समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी उनकी आपके लिए पूर्ण प्रेरणा तथा सहयोग का भाव रहेगा।

आप भी उनका पूर्ण हार्दिक सम्मान करेंगे एवं उनकी आज्ञा पालन तथा सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर मधुर संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद उत्पन्न होने के कारण इनमें अल्प मात्रा में तनाव या कटुता का समावेश का आभास होगा जो कुछ समयोपरान्त स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप जीवन में उनकी हार्दिक सहायता करेंगे एवं सुख दुःख में उनको पूर्ण वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में विद्यमान है अतः भाई बहिनों से आप सामान्य स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थता भी उनमें विद्यमान रहेगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगे तथा जीवन में आपको वांछित आर्थिक तथा अन्य रूप से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी आपको उन्से पूर्ण सहानुभूति तथा सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति सम्मान एवं स्नेह की भावना रहेगी एवं यथाशक्ति जीवन में उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय के

बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

आपके लिए ज्येष्ठ मास,तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी तिथियाँ, मूल नक्षत्र, धृतियोग, बवकरण, शनिवार प्रथम प्रहर तथा मकर राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल देने वाले हैं। अतः आप 15 मई से 14 जून के मध्य 3,8,13 तिथियों, मूल नक्षत्र, धृतियोग तथा बवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार, प्रथम प्रहर तथा मकर राशिस्थ चन्द्रमा को भी शुभ कार्यो में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सतर्क रहें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मन में अशान्ति, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में व्यवधान तथा अन्य कार्यो में सफलता नहीं मिल रही हो या बाधाएं उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव सूर्य भगवान को प्रातः काल अर्ध्य प्रदान करना चाहिए तथा रविवार का उपवास भी करना चाहिए। साथ ही सोना, माणिक्य, रक्त वस्त्र, गेहूँ, गुड़ इत्यादि पदार्थो का भी श्रद्धापूर्वक दान देना चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा कार्यो में उत्पन्न व्यवधान भी दूर होंगे। साथ ही शुभ फलों के प्रभाव में वृद्धि तथा अशुभ फलों के प्रभाव में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त सूर्य के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 7000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।